[Conference-Composition of Colours :December,2014] ISSN- 2350-0530
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v2.i3SE.2014.3623

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

जीवन में रंगों का रूझान

डॉ. साधना व्यास
सहायक प्राध्यापक–समाजषास्त्र
बी.एल.पी. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महू

सृष्टि में कई सुंदर वस्तुएँ मनुष्य के जीवन को प्रभावित करती हैं, उनमें रंगों का प्रमुख स्थान है। रंग वातावरण को आकर्षक बनाने में अनूठा योगदान देते है। साथ ही व्यक्ति के जीवन को खुषी, उमंग, उत्साह एवं चेतना से भर देते है। रंगों की हसीन दुनिया होने के कारण इनका अपना अलग ही महत्व है। विविध रंगो की छटा किसी भी व्यक्ति का ध्यान बरबसही अपनी ओर खींच लेती है। रंग व्यक्ति के मनोभावों एवं संवेगों की अभिव्यक्ति भी प्रदर्षित करते है।

मार्डन सेंचुरी एन साइक्लोपीडिया के अनुसार ''रंग प्रकाष का ही एक गुण है जिन्हें आंखे देखती है और जो विभिन्न आकार भी प्रकाष लहरों से बनते है।'' अर्थात् मस्तिष्क द्वारा दृष्टिपटल पर विषेष प्रकार की उत्तेजना के अभाव को ही रंग कहते है। प्रकाष रंगों का स्रोत है। रंग की अनुभूति प्रत्येक वस्तु के प्रकाष को परावर्तित अथवा संचालित करने के गुण से संबंधित है।

रंग अपने भावनात्मक प्रभाव के कारण व्यक्ति के जीवन में पृथक–2 महत्व रखते है। प्रस्तुत शोध पत्र इसी संदर्भ को ध्यान में रखकर प्रस्तुत किया गया है जिसमें 25 परिवारों के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्ग एवं लिंग में आने वाले करीब 95 सदस्यों से साक्षात्कार पद्धति के आधार पर विभिन्न रंगो के रूझान के बारे में जानकारी प्राप्त की गई जो भी तथ्यात्मक निष्कर्ष प्राप्त हुए उन्हे रंगो की प्राथमिकता एवं रूचि के आधार पर में प्रतिषत में अग्रांकित प्रदर्षित किया जा रहा है :–

लाल रंग :–
यह रंग स्फूर्ति, उत्साह, जोष एवं क्रियाषीलता का प्रतीक है। प्रस्तुत अध्ययन में बच्चों के द्वारा जो कि लगभग 0 से 10 वर्ष के अंतर्गत आते है उन्होनें इस रंग को सर्वाधिक प्राथमिकता दी। करीब 80 प्रतिषत बच्चों ने इस रंग के प्रति गहरी रूचि प्रदर्षित की। जिसे उनके द्वारा खिलौनों कपड़ों एवं अन्य वस्तुओं के उपयोग में पसंद किया गया। महिला वर्ग द्वारा भी इस रंग को अपनी पसंद में शामिल किया गया। लगभग 78 प्रतिषत महिलाओं द्वारा इस रंग के प्रति अपनी रूचि प्रदर्षित की गई किन्तु इसमें 25 से 50 वर्ष की महिलाएँ शामिल हैं। पुरूष वर्ग में केवल 12 प्रतिषत ने ही इस रंग को पंसद किया एवं वे भी युवा वर्ग के ही थे। इसप्रकार महिलाओं एवं बच्चों द्वारा ही इस रंग को पसंद किया गया।

पीला रंग :–
पीले रंग को बुद्धिमत्ता तथा उल्लास से संबंधित माना जाता है। यह रंग धार्मिक प्रवृत्तियों से भी जुड़ा हुआ माना जाता है। साथ ही सूर्य के प्रकाष का रंग भी इसे माना जाता है। इस रंग को पसंद करने वालों में भी महिलाओं का प्रतिषत ही ज्यादा रहा। लगभग 72 प्रतिषत महिलाओं द्वारा इस रंग को प्राथमिकता दी गई। जिसमें युवा वर्ग की महिलाएँ अधिक है। इसका कारण स्पष्ट है कि इस रंग का प्रयोग धार्मिक कार्य कलापों के लिये किया जाता है। पीले रंग के अंतर्गत ही महिलाओं द्वारा नारंगी रंग को भी पंसद किया गया। बच्चों में इस रंग के प्रति ज्यादा रूचि नहीं दिखाई गई। केवल 20 प्रतिषत बच्चों द्वारा ही इस रंग को पंसद किया गया। पुरूष वर्ग द्वारा भी इस रंग के प्रति पंसद को कम ही बताया गया। लगभग 11 प्रतिषत पुरूषों द्वारा ही इस रंग को पंसद किया गया।

हरा रंग :–
हरा रंग शीतलता एवं विश्रामदायक शान्ति का प्रतीक माना जाता है। इस रंग के प्रति भी महिलाओं में अच्छी खासी रूचि दिखाई गई। करीब 71 प्रतिषत महिलाओं द्वारा इस रंग को प्राथमिकता दी गई। जिसमें सभी आयु वर्ग की महिलाएँ सम्मिलित है अंतर केवल हल्के एवं गहरे रंग का था। पुरूष वर्ग में करीग 27 प्रतिषत के द्वारा इस रंग के प्रति रूचि दर्षाई गई। बच्चों में लगभग 47 प्रतषत द्वारा इस रंग को पसंद किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि चूंकि हरा रंग शीतलता एंव संतुलन का प्रतीक है। अतः महिलाओं द्वारा इस रग के प्रति ज्यादा रूचि देखी गई क्योंकि संतुलन का निर्वाह महिलाओं द्वारा ही किया जाता है।

नीला रंग :–

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

इस रग में सच्चाई, आदर, सुख, विश्राम, शान्ति, विषालता आदि का गुण पाया जाता है। यह रंग किसी भी गहरे या हल्के रंग के साथ प्रयुक्त किये जाने के कारण हर आयु वर्ग के द्वारा इस रंग को पसंद किया गया। बच्चों में 65 प्रतिषत बच्चों द्वारा इस रंग को प्राथमिकता दी गई। महिलाओं में 68 प्रतिषत द्वारा एवं पुरूषों में 52 प्रतिषत द्वारा इस रंग को पसंद किया गया।

बैंगनी रंग :–
इसे शाही रंग भी कहा जाता है। महिलाओं द्वारा इस रंग के प्रति गहरी रूची प्रदर्षित की गई। 55 प्रतिषत महिलाओं द्वारा इस रंग को अपनी पंसद बताया गया। पुरूषों ने इस रंग के प्रति अपनी रूची ज्यादा प्रतिषत नहीं की केवल 12 प्रतिषत पुरूषों ने इस रंग को पंसद किया। बच्चों में भी केवल 33 प्रतिषत ने ही इस रंग को अपनी पसंद बताया।

गुलाबी रंग :–
यह रंग प्रेम, कोमलता एवं सौहार्द का प्रतीक है। यह रंग बच्चों द्वारा ज्यादा पसंद किया गया। लगभग 74 प्रतिषत बच्चों द्वारा इस रंग के प्रति रूचि दिखाई गई। महिलाओं द्वारा भी इस रंग के प्रति रूझान देखा गया। करीब 68 प्रतिषत महिलाओं द्वारा इस रंग को पसंद किया गया। पुरूष वर्ग में केवल 32 प्रतिषत द्वारा इस रंग को पसंद के रूप में स्वीकार किया गया।

सफेद रंग :–
इस रंग को शान्ति, शीतलता एवं सौम्यता का प्रतीक माना जाता है। पुरूष वर्ग द्वारा इस रंग के प्रति सर्वाधिक रूचि दर्षाई गई। लगभग 85 प्रतिषत पुरूषों द्वारा इस रंग को प्राथमिकता दी गई। इसका प्रमुख कारण किसी भी गहरे रंग के साथ इसका आसानी से साम्य किया जा सकता है। महिलाओं में इस रंग को कम ही पंसद किया गया। करीब 35 प्रतिषत महिलाओं द्वारा इस रंग को पसंद किया गया। उसमें भी कार्यस्थल पर ही ज्यादा पसंद यिा गया। साथ ही 50 वर्ष से उपर की महिलाओं द्वारा ही इसे पसंद किया गया। बच्चों द्वारा ही इस रंग के प्रति पसंद को दर्षाया गया।

काला रंग :–
काला रंग एक ओर बुद्धि एवं बड़प्पन का प्रतीक है किन्तु इसमें उत्साह एवं जोष का अभाव पाया जाता है। इस शोध में काले रंग को पुरूषों द्वारा ज्यादा पसंद किया गया। साथ ही बुजुर्ग लोगों द्वारा भी इस रंग के प्रति रूझान देखा गया। लगभग 74 प्रतिषत पुरूषों द्वारा काले रंग को किसी अन्य रंग के द्वारा जोड़कर पसंद किया गया। विषेषकर कपड़ों के रंगो के लिये महिला वर्ग में 25 से 50 वर्ष की महिलाओं द्वारा इसे कम पंसद किया गया। 25 वर्ष से कम की लड़कियों में 46 प्रतिषत द्वारा इस रंग को अन्य रंगो के संयोजन मे पसंद किया गया। बच्चों में इस रंग के प्रति नापसंदगी ही दर्षाई गई। केवल 12 प्रतिषत बच्चों ने ही इस रंग को अपनी पसंद का बताया।

इस प्रकार रंगो के प्रति आयु एवं लिंग भेद के आधार पर अलग–अलग रूझान देखे गये। जिससे स्पष्ट होता है कि रंगों का मनोविज्ञान प्रत्येक व्यक्ति की रूचि, स्वभाव, परिस्थिति, अवसर आदि पर निर्भर करता है।

संदर्भ ग्रंथ :–

1 *The power of color – Dr. Morton Walker*
2 *सूर्य किरण चिकित्सा एंव रंग चिकित्सा – श्री मोहनलाल कनोतिया*
3 *सूर्य चिकित्सा विज्ञान – श्रीराम शर्मा आचार्य*
4 *सूर्य किरण चिकित्सा – डॉ. अजीत मेहता*
5 *गृहप्रबंध एवं गृह सज्जा – डॉ. करूणा शर्मा एवं डॉ. मंजू पाटनी*